VOLTE और WI-FI

DIGI PAGE

Subject - Computer

Date of Release -04-FEB-2018

VOLTE- पहली वायरलेस टेलिफोन टेक्नॉलजी को 1G का नाम दिया गया था इसके बाद 2G और 3G टेक्नॉलजी ने दस्तक दी। इसके बाद आया 4G जिसने स्मार्टफोन की परिभाषा को बदल कर रख दिया था। 4G VoLTE का जो महत्वपूर्ण काम है वह है कॉल कनेक्टिविटी को सुधारना। VoLTE में यूजर्स फोन पर बात करते समय 3G और 2G से बेहतर नटवर्क कनेक्टिविटी मिलती है। जो कि LTE में नहीं मिलती। VoLTE से होने वाली कॉलिंग की क्वॉलिटी सेल्युलर नेटवर्क से होने वाली कॉलिंग से बेहतर होती है। इसीलिए VoLTE से होने कि जाने वाली वॉइस कॉलिंग को HD वॉइस कॉलिंग भी कहा जाता है। इसके साथ ही VoLTE से ऑपरेटर को वॉइस और डेटा के लिए अलग बैंड इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ती। रिलायंस जियो के अलावा दूसरी कंपनियां सिर्फ डेटा के लिए 4G LTE का इस्तेमाल कर रही हैं। वॉइस कॉलिंग के लिए वे अपने 3G या 2G सेल्यूलर नेटवर्क को इस्तेमाल कर रही हैं। इस हिसाब से VoLTE ऑपरेशन में सुविधाजनक होने के साथ सस्ती तकनीक भी है। अगर बात करें 4G नेटवर्क की तो यह एक फोर्थ जनरेशन मोबाइल टेली कम्यूनिकेशन टेक्नॉलाजी है। इसका काम फास्ट इंटरनेट देना है। 4G टेक्नॉलाजी 3G से पांच गुना ज्यादा आच्छी है। अगर आपको अच्छे से 4G नेटवर्क मिल रहा है तो इसकी स्पीड 100Mbps होती है।

WI-FI- वाई-फाई रेडियो तरंगों की मदद से नेटवर्क और इंटरनेट तक पहुँचने की एक युक्ति है। यह वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट के इर्द-गिर्द मौजूद मोबाइल फोनों को वायरलैस इंटरनेट उपलब्ध कराने का काम करता है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी गति (स्पीड) सामान्य सेवा प्रदाताओं की ओर से दी जाने वाली गति से काफी तेज होती है। यह तकनीक आजकल के नए स्मार्टफोन, लैपटॉप और कंप्यूटर में आसानी से पाई जाती है। एक वायरलेस (बेतार) नेटवर्क बनाने के लिए, एक वायरलेस राउटर की जरूरत पड़ती है। वाई-फाई हाय-फाई शब्द का यमक है। यह वाई-फाई एलायंस द्वारा स्वामित्व एक ब्रांड है। एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर तक जानकारी भेजने के लिए वाई-फाई आई.ई.ई.ई 802.11 मानक का प्रयोग करता है। वाई-फाई (Wi-Fi) डिवाइस बिना किसी तार के दो डिवाइसों के बीच में कनेक्शन बनाता है, जिसके लिये यह रेडियो फ्रीक्वेंसी (Radio Frequency) का इस्तेमाल करता है, यह टेक्नोलॉजी IEEE 802.11 कई स्टैण्डर्ड पर बेस्ड है जिसकी आवृत्ति 2.4GHz से 5GHz के बीच होती है, वायरलेस नेटवर्क किसी भी डिवाइस को कनेक्ट करने के लिये एक Access Point (AP) की आवश्कयता होती है और जिस ऐरिया में वाई-फाई (Wi-Fi) होता है उसे हॉट-स्पॉट (Hotspot) कहते है|

For Free Study Material Visit: http://www.mahendraguru.com

To Practice More Online Tests Buy From: https://myshop.mahendras.org
For Free Video Tutorials Subscribe Mahendra Guru YouTube Channel